

Newspaper Clips

July 6, 2013

Hindustan ND 06/07/2013

P-15

IITs, NITs TO HAVE SEPARATE COUNSELLING

Vanita Srivastava

vanita.shrivastava@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Joint Admission Board for JEE (advanced) decided on Thursday that seat allotment for the IITs and NITs will be done independently this year.

“It has been decided that for the year 2013, seat allotment in IITs and NITs will be done independently as was done in the previous years,” a notice on JEE (advanced) website said.

Breaking from the tradition, this year the second round of seat allotment for IITs and the first round of seat allotments for NITs were to be done together on July 9. Under the combined process, a student who would have taken an IIT seat after the second round of counseling could not take an NIT seat. Likewise, somebody who would have had taken an NIT seat could not opt for an IIT seat.

This would have ensured that a child does not occupy both NIT and IIT seats, thus, paving the way for more students taking admission.

आईआईटी छात्र तरक्की की राह पर ले जाएं

दिग्गजों का जमावड़ा आईआईटी कानपुर के 45 वें दीक्षांत समारोह को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने संबोधित किया

भास्कर न्यूज | कानपुर

पिछले पचास सालों में आईआईटी कानपुर और उसके छात्रों के राष्ट्रनिर्माण में सहयोग की सराहना करते हुए शुक्रवार को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा कि अभी भी इस देश को आईआईटी जैसे और तकनीकी संस्थानों की आवश्यकता है ताकि हम देश से गरीबी हटा सकें, सभी नागरिकों को समान दर्जा दे सकें और एक मजबूत राष्ट्र बन सकें।

आईआईटी कानपुर के 45 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आईआईटी में आज डिग्री पाने वाले छात्रों से हमें उम्मीद है कि वे देश को तरक्की के पथ पर आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा आईआईटी



कानपुर. आईआईटी कानपुर के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, स्वास्थ्य मंत्री अहमद हसन।

कानपुर ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में बहुत से काम किए हैं, जिनमें तमाम नए शोध के

अलावा डिस्चार्ज टायलेट सिस्टम है। इसका इस्तेमाल हाल ही में सम्पन्न इलाहाबाद में महाकुंभ मेला में किया गया था। इसके अतिरिक्त अंतरिक्ष विज्ञान, सोलर इनर्जी जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त संस्थान नैनो टेक्नालोजी समेत कई विधाओं में महत्वपूर्ण रिसर्च कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि आईआईटी की स्थापना करते समय जो सपना देखा गया था, वह आज आईआईटी अपने शोध से पूरा कर रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कम्प्यूटर साइंस एंड टेक्नालोजी के क्षेत्र में सर्वाधिक अंक पाने पर शुभम तुल्सयानी को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, केमिकल इंजीनियरिंग के छात्र प्रांजुल सक्सेना को रतन स्वरूप मेमोरियल पदक दिया गया।

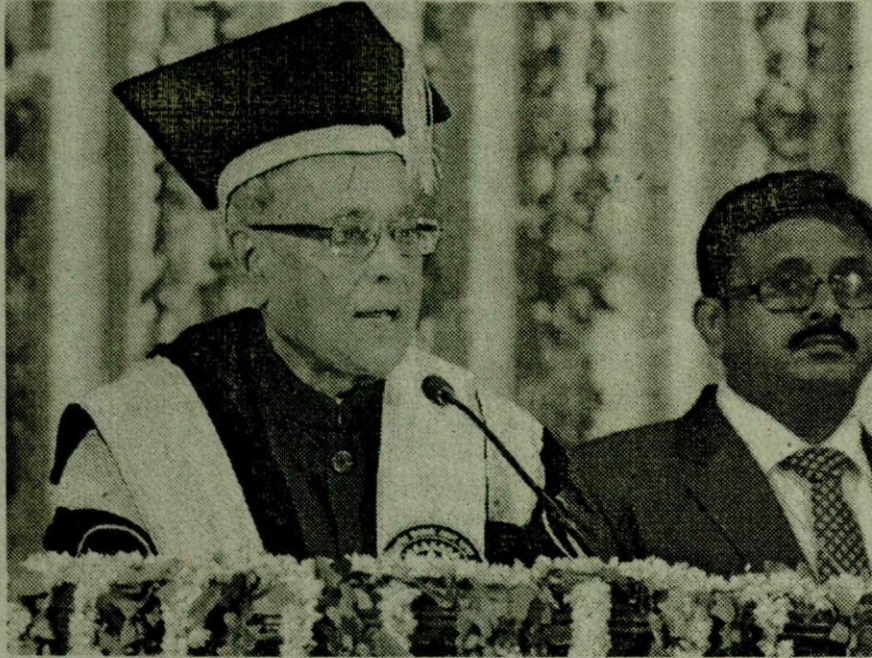
Veer Arjun ND 06/07/2013

P-7

आईआईटी डिग्री पाने वाले देश को तरक्की पर ले जाएं: प्रणब

कानपुर (भाषा)। पिछले पचास सालों में आईआईटी कानपुर और उसके छात्रों राष्ट्रनिर्माण में सहयोग की सराहना करते हुये आज राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा कि अभी भी इस देश को आईआईटी जैसे और तकनीकी संस्थानों की आवश्यकता है ताकि हम देश से गरीबी हटा सकें, सभी नागरिकों को समान दर्जा दे सकें और एक मजबूत राष्ट्र बन सकें।

आईआईटी कानपुर के 45 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये राष्ट्रपति ने यहां कहा कि आईआईटी में आज डिग्री पाने वाले छात्रों से हमें उम्मीद है कि वे देश को तरक्की के पथ पर आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा आईआईटी कानपुर ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में बहुत से काम किये हैं जिनमें तमाम नये शोध के अलावा डिस्चार्ज टायलेट सिस्टम है। इसका इस्तेमाल हाल ही में सम्पन्न इलाहाबाद में महाकुंभ मेला में किया गया था। इसके अतिरिक्त अंतरिक्ष विज्ञान, सोलर इनर्जी जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त संस्थान नैनो



आईआईटी कानपुर के 45 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी।

टेक्नालोजी समेत अनेक विधाओं में महत्वपूर्ण रिसर्च कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि आईआईटी

की स्थापना करते समय जो सपना देखा गया था वह आज आईआईटी अपने शोध से पूरा कर रहा है। इस अवसर

पर राष्ट्रपति ने कम्प्यूटर साइंस एंड टेक्नालोजी के क्षेत्र में सर्वाधिक अंक पाने पर और सर्वोत्तम कार्य करने पर

शुभम तुल्सयानी को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, केमिकल इंजीनियरिंग के छात्र प्रांजुल सक्सेना को रतन स्वरूप मेमोरियल पदक तथा कार्तिक के एन को डा शंकर दयाल शर्मा मेडल देकर सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने उच्च और तकनीकी शिक्षा के लिये बहुत से नये नये संस्थान खोले हैं लेकिन अभी भी हम अमेरिका जैसे देशों से काफी पिछड़े हुये हैं। हमारे देश में इतने उत्कृष्ट तकनीकी और उच्च शिक्षा के संस्थान हैं लेकिन दुनिया के दस टाप कालेजों में हमारे किसी भी कालेज का नाम नहीं है।

ऐसा नहीं है कि पहले हमारे देश के कालेजों का नाम दुनिया में मशहूर नहीं था लेकिन अब नहीं है। आज जो छात्र डिग्री पाये हैं या जिन्हें उनकी उच्च सफलता के लिये मेडल और सम्मान मिला है उन्हें सोचना होगा कि वह आगे और उच्च शिक्षा लेने के लिये दुनिया के किसी भी कालेज में जायें लेकिन अपने देश की सेवा में भी कुछ समय लगायें ताकि देश से गरीबी, भुखमरी कम हो सकें और अपना देश भी एक मजबूत और खुशहाल राष्ट्र बन सके।

CAT manager, 3 examinees tampered with results

SHAHIRA NAIM/TNS

LUCKNOW, JULY 5

Three Lucknow-based Common Admission Test (CAT) 2013 examinees reportedly masterminded the tampering of the CAT results this year which on discovery had led to the cancellation of the results of 80 candidates.

Of the total 80 candidates, whose percentile were unlawfully increased in order to help them get admission in better-ranked non-IIM institutes, at least 30 belong to Uttar Pradesh.

An investigating team which arrived from Kozhikode to probe the compromising of the prestigious CAT results this year stated that the altering in the results was to the extent of increasing percentile 3 to 93!

Last fortnight, Indian Institute of Management (IIM)-Kozhikode had registered a case against Lucknow-based

HAND IN GLOVE

- Afaq, who handles the CAT website managing the company's Kozhikode office, and 3 examinees increased the percentile of 80 candidates
- The police has evidence to prove that the quartet was in touch over a period of time
- They procured money from CAT aspirants to increase scores

web management company Web Weavers - which maintains the CAT website - charging it of tampering with the results of 80 candidates.

The joint team of Kozhikode and UP police led by AU Bala Krishnan interrogated the owner of Web Weavers Shuja-ul Hasan at the Aminabad police station for well over two hours. A contractual computer teacher at the Aminabad Inter College, Hasan, reportedly blamed his employee Kozhikode-based Afaq for the scam.

The Telegraph

calcutta, india

Edition

| Tuesday , July 2 , 2013 |

[Front Page](#) > [Nation](#) > [Story](#)
Like 15
Tweet 3
0

New IIT Guwahati director awaits nod

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

New Delhi, July 1: Gautam Biswas, director of the Central Mechanical Engineering and Research Institute, Durgapur, is set to become the next director of IIT Guwahati.

He is scheduled to replace Gautam Barua whose 10-year term ended yesterday.

A panel headed by HRD minister M.M. Pallam Raju picked Biswas for the job. President Pranab Mukherjee, the Visitor of the institute, will have to clear the appointment, after which Biswas will get a five-year term, sources said.

Biswas did his Master's and PhD from IIT Kharagpur. A faculty at IIT Kanpur, Biswas served as dean of academics there. Since 2009, he has been serving as director of CMERI, a research lab of the Council of Scientific and Industrial Research.

Biswas will bring to his new job his experience and research in computational fluid dynamics and heat transfer. He is a member of all three science academies in India as well as the American Society of Mechanical Engineers.

Biswas was a contender for director of IIT Kharagpur till P.P. Chakrabarti was picked last year. But Chakrabarti's appointment has been mired in controversy because he is yet to be cleared by the vigilance wing in a case of irregularity. Till he is cleared, S.K. Som will serve as the director in charge of IIT Kharagpur.

IIT Guwahati is comparatively younger among the tech schools and is still in the developing stage. But it has started showing signs of excellence in both teaching and research.

Published on *India Education Review* (<http://www.indiaeducationreview.com>)

[Home](#) > [Gautam Biswas to be new director of IIT-Guwahati](#)

Gautam Biswas to be new director of IIT-Guwahati

news

Gautam Biswas to be new director of IIT-Guwahati

03 Jul 2013

1 Comments



Prof Gautam Biswas is likely to become the new Director of Indian Institute of Technology-Guwahati. Prof Biswas will replace Prof Gautam Barua whose 10-year term ended on 30 June, 2013.

Prof Biswas is presently serving as the Director of the Central Mechanical Engineering and Research Institute (CMERI), Durgapur.

Reportedly, a search panel headed by Union HRD minister M M Pallam Raju picked Biswas for the job. President of India, Pranab Mukherjee who is the Visitor of the institute will clear the appointment, after which Biswas will get a five-year term.

Prof Biswas did his Master's and PhD from IIT Kharagpur. A faculty at IIT Kanpur, Biswas served as dean of academics there. Since 2009, he has been serving as director of CMERI, a research lab of the Council of Scientific and Industrial Research, reported [The Telegraph](#).